स्वार्थ रो है सारो संसार भजन लिरिक्स

स्वार्थ रो है सारो संसार,
मतलब रो मिठो बोले मानखो,
भाई रे भजले तू भगवत रो नाम
दोय दिना रो जग में पावणो,
होजी स्वार्थ रो हैं सारो संसार।bd।

होजी मतलब री तो करे मनुहार,
मायाजाल में भटक्यो मानखो,
भाईरे माया काया पावणी दिन चार,
आखिर छोड़ ने इणने जावणो,
होजी स्वार्थ रो हैं सारो संसार।bd।

होजी चिंता माहि पड़ियो संसार,
पईसा सू प्रेम राखे मोकलो,
भाईरे रटले नी राम जी रो नाम,
भरिए भवजल सू तारे सांवरो,
होजी स्वार्थ रो हैं सारो संसार।bd।

होजी मोबाइल में भूल्यो संस्कार,
केणो नी माने मायङ बापरो,
भाईरे नाहि थाने मेहमानों रो मान,
किया तूं गुजारे जीवन आपरो,
होजी स्वार्थ रो हैं सारो संसार।bd।

होजी दिनों दिन अवसर चूकयो जाय,
थोड़े दिना रो जग में रेवणो,
भाईरे 'जोगाराम' जीव समझाय,
माने जका ने म्हारो केवणो,
होजी स्वार्थ रो हैं सारो संसार।bd।

स्वार्थ रो है सारो संसार,
मतलब रो मिठो बोले मानखो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भाई रे भजले तू भगवत रो नाम
दोय दिना रो जग में पावणो,
होजी स्वार्थ रो हैं सारो संसार।bd।

गायक – जोगाराम प्रजापत।
हाथीतला बाड़मेर 9587984999

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com